

औद्योगिक विकास हेतु मासिक समीक्षा बैठक में उद्यमी मित्रों और उपायुक्त, जिला उद्योग केंद्र के वार्षिक लक्ष्य निर्धारित किए

लखनऊ, 28 अप्रैल, 2025:

प्रदेश की निवेश प्रोत्साहन और सुविधा एजेंसी - **इन्वेस्ट यूपी** ने आज इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ में मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की, जिसकी अध्यक्षता माननीय औद्योगिक विकास मंत्री **श्री नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी'** ने की।

सत्र में पिछले प्रदर्शन की समीक्षा, वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए रणनीतिक लक्ष्य निर्धारित करने और राज्य को **1 ट्रिलियन डॉलर** की अर्थव्यवस्था बनाने के विजन के अनुरूप उत्तर प्रदेश में निवेश में तेजी लाने के लिए कार्ययोजना तैयार करने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

माननीय औद्योगिक विकास मंत्री श्री नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी' ने उत्तर प्रदेश को एक पसंदीदा निवेश गंतव्य में बदलने और 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को प्राप्त करने के माननीय मुख्यमंत्री **योगी आदित्यनाथ** के विजन को साकार करने के लिए विभाग की प्रतिबद्धता को दोहराया। श्री नंदी जी ने भारत में सर्वश्रेष्ठ औद्योगिक माहौल बनाने की आवश्यकता पर बल दिया, जिसमें **उद्यमी मित्र** निवेशकों और राज्य सरकार के बीच सेतु का काम करते हैं।

मंत्री जी ने प्रमुख सचिव श्री **आलोक कुमार** और सीईओ श्री **विजय किरण आनंद** के साथ "उद्यमी मित्र" पुस्तक का विमोचन भी किया।

कार्यक्रम के दूसरे सत्र में उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव श्री **मनोज कुमार सिंह** ने पिछले आठ वर्षों में राज्य की उल्लेखनीय औद्योगिक प्रगति के बारे में विस्तार से बताया और प्रदेश में निवेश पारिस्थितिकी तंत्र को और मजबूत करके इस गति को बनाए रखने के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने डिजिटल प्लेटफॉर्म के बढ़ते उपयोग के माध्यम से अनुमोदन में देरी को समाप्त करने और **ईज ऑफ डूइंग बिजनेस** को बढ़ाकर निवेश प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

मुख्य सचिव ने जोर देकर कहा कि ऑनलाइन अनुमोदन में तेजी लाने और प्रक्रियाओं को अधिक पारदर्शी बनाने से निवेशकों का विश्वास बढ़ सकता है। औद्योगिक भूमि की उपलब्धता के महत्वपूर्ण मुद्दे को संबोधित करते हुए, मुख्य सचिव ने सुझाव दिया कि इन्वेस्ट यूपी के सीईओ को नई औद्योगिक परियोजनाओं के लिए बंद मिलों, कारखानों और चीनी मिलों की भूमि की पहचान करने और उसका पुनः उपयोग करने के लिए एक समर्पित टीम बनानी चाहिए।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उत्तर प्रदेश की निवेशक-अनुकूल राज्य के रूप में प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए भूमि संबंधी चुनौतियों का समाधान करना महत्वपूर्ण है। उन्होंने समीक्षा बैठक आयोजित करने में इन्वेस्ट यूपी के प्रयासों की सराहना की और आगे के निवेश संबंधि लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सहयोगात्मक कार्रवाई का आह्वान किया।

अवस्थापना और औद्योगिक विकास विभाग के प्रमुख सचिव श्री **आलोक कुमार** ने उत्तर प्रदेश को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी निवेश गंतव्य बनाने के लिए हितधारकों के बीच सहयोग बढ़ाने का रोडमैप प्रस्तुत किया।

इन्वेस्ट यूपी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्री विजय किरण आनंद ने समीक्षा बैठक के एजेंडे की रूपरेखा प्रस्तुत की और आगामी वर्ष के लिए लक्ष्य निर्धारण की शुरुआत की। एक संरचित और रणनीतिक दृष्टिकोण पर जोर देते हुए उन्होंने कहा, "निवेश को आकर्षित करने के लिए समन्वय महत्वपूर्ण है। टीमवर्क का मतलब सिर्फ एक साथ काम करना नहीं है - इसका मतलब है एक साथ बढ़ना, एक-दूसरे से सीखना और खुद से बड़ा कुछ बनाना।"

माननीय मुख्यमंत्री के सचिव श्री सूर्य पाल गंगवार ने जिला-स्तरीय निवेश प्रोत्साहन तंत्र को मजबूत करने पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी।

इससे पहले सत्र में, इन्वेस्ट यूपी के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी, श्री प्रथमेश कुमार ने स्वागत भाषण दिया, जिसमें निवेश प्रक्रिया में शामिल सभी हितधारकों - उद्यमी मित्रों से लेकर जिला उद्योग केंद्रों (डीआईसी) के बीच निर्बाध समन्वय के महत्व पर जोर दिया गया।

इन्वेस्ट यूपी की ईज ऑफ़ डूइंग बिजनेस टीम ने 'निवेश मित्र' पोर्टल पर अपडेट प्रदर्शित किए - भारत का सबसे बड़ा सिंगल-विंडो क्लियरेंस प्लेटफॉर्म, जो वर्तमान में 40 विभागों में 500 से अधिक सेवाएं प्रदान करता है। निवेश मित्र 3.0 के आगामी उन्नयन पर चर्चा की गई, जो इस कैलेंडर वर्ष के अंत तक रोलआउट के लिए लक्षित एक ही मंच पर इंटेग्रेटेड फाइलिंग, क्लियरेंस अनुमोदन, भूमि उपलब्धता, प्रोत्साहन वितरण और शिकायत निवारण जैसी सुविधाओं को एकीकृत करेगा।

बाद में शाम को, इस्कॉन के उपाध्यक्ष स्वामी दीनदयाल कृष्ण दास जी ने व्यक्तिगत और व्यावसायिक विकास पर प्रेरक अंतर्दृष्टि साझा की, प्रतिभागियों को अनुग्रह और लचीलेपन के साथ प्रगति करने के लिए प्रेरित किया।

बैठक के समापन पर इन्वेस्ट यूपी के सीईओ ने जोर देकर कहा कि उद्यमी मित्रों और जीएम-डीआईसी अधिकारियों को अपने मासिक और वार्षिक भूमि और निवेश प्रोत्साहन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए लगन से काम करना होगा।
